आरे कारशेड का काम 55% पूरा

पहली अंडरग्राउंड मेट्रो 2023 तक, ट्रैक बिछाने का काम शुरू

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो की शुरुआत दिसंबर 2023 तक हो जाएगी. सरिपुत नगर से बीकेसी के बीच पहले चरण को इस साल के अंत तक शुरू किए जाने का लक्ष्य है. आरे में मेट्रो का कारशेड बनाने का काम फुल स्पीड में है. एमएमआरसीएल की एमडी अश्विनी भिड़े ने बताया कि मेट्रो कारशेड बनाने का काम लगभग 55% पूरा हो गया है. पिछले 1 माह में रिकॉर्ड 15% काम हो गया है. वह लगातार कार्यस्थल का दौरा कर काम की समीक्षा कर रही हैं. उल्लेखनीय है कि मेट्रो-3 की टनलिंग का काम शत-प्रतिशत होने के बाद अब सुरंग के अंदर ट्रैक बिछाने और स्टेशन बनाने का काम तेजी से चल रहा है. बताया गया कि आरे से लेकर बीकेसी तक ट्रैक बिछाने का लगभग 65% काम पूरा कर लिया गया है. इसके साथ दूसरे फेज में बीकेसी से लेकर कफपरेड तक मेट्रो रेल लाइन बिछाने का काम लगभग 42% हो गया है. सिविल वर्क कंप्लीट होने के साथ कई भूमिगत स्टेशन तेजी से आकार ले रहे हैं.

ट्रैक के लिए एलवीटी तकनीक का इस्तेमाल

मेट्रो 3 पर अंडरग्राउंड ट्रैक बिछाने के लिए लो वाइब्रेंट टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है, ताकि मेट्रो चलते समय भूमिगत स्टेशनों और ऊपर रोड पर भी कंपन न हो. आम रेल ट्रैक की बजाय अलग लेयर वाली पटरी बिछाई जा रही है. मेट्रो 3 के भूमिगत स्टेशनों का निर्माण कट एंड कवर पद्धति से किया जा रहा है.

अब तीसरी मेट्रो की हो रही तैयारी

एमएमआरसीएल के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार जिस गति से मेट्रो 3 का काम हो रहा है, यदि इसी तरह चलता रहा तो इस वर्ष के अंत तक आरे के सरिपुत नगर से लेकर बीकेसी तक अंडरग्राउंड मेट्रो का पहला चरण शुरू हो जाएगा. सरकार भी चाहती है कि 2024 लोकसभा चुनाव के पहले मुंबईकर पहली अंडरग्राउंड मेट्रो के सफर का आनंद ले सकें. मुंबई में मेट्रो 2 ए और 7 का पूरा चरण शुरू होने के बाद अब तीसरी मेट्रो को लेकर तैयारी शुरू हो गई है.

जानिए पहली भूमिगत मेट्रो के बारे में

- कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33.50 किमी लंबी मुंबई की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो होगी.
- इस मेट्रो मार्ग पर कुल 27 स्टेशन हैं, इनमें 26 स्टेशन अंडर ग्राउंड तथा 1 जमीन के ऊपर.
- इस मेट्रो परियोजना की लागत लगभग 35 हजार करोड़ तक पहुंच जाने का अनुमान है.
- यह मेट्रो लाइन वेस्टर्न एवं सेंट्रल रेल लाइन से कनेक्टिविटी का काम करेगी.
- अंडरग्राउंड होने से मुंबई को ट्रैफिक से निजात मिल सकेगी.